Roll No. ..... Total Printed Pages - 6

F-3476

M.A. (Previous) EXAMINATION, 2022

HINDI

Paper Second

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks:100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशे की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : **30**

(क) हुअ अप्रसन्न सिव सिया। बोलि हूँ पठय तुझ्झ प्रति।।
इह बरनी तुम जोग। चंद्र जोसनावान वृत्त।।
ज्यों रुकमिनि हरि देव। प्रीति अति बढ़ै प्रेम भर।।
इह गुन हंस सरूप। नाप दुजताज भनिय चर।।
बुल्लिय सुपिता कमहाज्य-नर! ब्याहन पठयो सुगुर दुज।।
आर्वो सुभ्रात जैचन्द सुत। कमहा पुअ व्याहन सुवुज।

अथवा

देख-देख राधा रूप अपार, अपुरुब के बिहि आनि।
मिलाओल, खिति तल लाबनि-सार।
अंगहि अंग अनंग मुरछायत हेरए पड़एं अधीर।
मनमथ कोटि मथन करु जै जन, से हेरि महि मधि गीर।
कत-कत लखिमी चरन तल ने ओछाए रंगिनि हेरि विभोरि।
करू अभिलाख मनहिं पद पंकज, अहोनिसि कोर अगोरि।।

(ख) पंच संगी पिव पिव करै, छठा जु सुमिरे मन।
आई सूति कबीर की, पाया राम रतन।।
मेरा मन सुमिरै राम कूँ, मेरा मन रामहि आहि।
अब मन रामहिं ह्वै रह्या, सीस नवाबों काहि।।

अथवा

हमारे हरि हारिल की लकरी।
मन बच क्रम नंदनंदन सों उर यह दृढ़ करि पकरी।
जागत, सोवत, सपने सौं मुख कान्ह कान्ह जकरी
सुनतहिं जोग लागत ऐसो अलि! ज्यों करुई ककरी।
सोई व्याधि हमें लै आए देखी सुनी न करी।
यह तौ सूर तिन्है लै दीजै जिनके मन चकरी।।

(ग) सुनु दसमुख खद्योत प्रकासा। कबहुँ कि नलिनी करइ बिकासा।

अस मन समुझु कहति जानकी । खल सुधि नहिं रघुबीर बान की।।

सठ सूनें हरि आनेहि मोही ।अधम निलज्ज लाज नहिं तोहीं।।

आपुहिं सुनि खद्योत सम, रामहि भानु समान।

परुष बचन सुनि काढ़ि असि बोला अति खिसिआन।।

अथवा

सालति है नटसाल सी, क्यों हूँ निकसति नाँहि।

मनमथ नेजा नोक सी खुभी खुभी जिय माँहि।।

जुवति जोन्ह मैं मिलि गई, नैंक न होति लखाइ।

सौंधे कैं डौरें लगी अली चली सँग जाइ।

हौं रीझी, लखि रीझिहौ छबिहिं छबीले लाल।

सोनजुही सी होति दुति मिलत मालती माल।।

2. ''आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने पृथ्वीराज रासो को हिंदी का प्रथम महाकाव्य कहा है।'' इसके महाकाव्यत्व पर विचार कीजिए। **15**

अथवा

विद्यापति के प्रकृति वर्णन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

''कबीर युग चेतना के पुरोधा हैं।'' इस मत पर अपने विचार

उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

3. ''सूर का भ्रमर गीत विप्रलम्भ शृंगार का उत्कृष्ट उदाहरण है।'' इस कथन को उदाहरणों द्वारा सिद्ध कीजिए। **15**

अथवा

''विश्व साहित्य में रामचरितमानस का क्या महत्व है'' निबंध लिखिए।

अथवा

बिहारी के संयोग शृंगार की विशेषताएँ बताइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणियाँ लिखिएः **प्रत्येक 4**

(1) कवि भूषण का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(2) रीतिकाल के कवियों में देव का क्या स्थान है?

(3) रैदास की भक्ति पर टिप्पणी लिखिए।

(4) मीराबाई के काव्य की विशेषताएँ बताइए।

(5) नंददास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(6) कवि पद्माकर के काव्य पर प्रकाश डालिए।

(7) केशव की कविताई पर समालोचकों ने क्या टिप्पणी की है?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं बीस के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **प्रत्येक 1**

(1) 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता कौन हैं?

(2) बिहारी किस राजा के आश्रय में रहते थे?

(3) तुलसीदास की भक्ति किस भाव की थी?

(4) 'प्रेम की पीर' के कवि कौन कहे जाते हैं?

(5) 'कविप्रिया' के रचयिता कौन हैं?

(6) सुजान विनोद की रचना किसने की है?

(7) तुलसीदास की 'रामचरितमानस' की भाषा क्या है?

(8) विद्यापति किस रस के कवि थे?

(9) मीराबाई किसकी भक्ति करती थीं?

(10) रहीम का पूरा नाम क्या है?

(11) कबीर के गुरु कौन थे?

(12) तुलसी के गुरु कौन थे?

(13) 'शिवा बावनी' किसकी रचना है?

(14) सूरदास के अलावा किसी दूसरे अष्टछाप के कवि का नाम बताइए।

(15) 'प्रेमवाटिका' किसकी रचना है?

(16) 'सुजान रसखान' किसकी रचना है?

(17) 'पानी गए न उबरे मोती मानुष चून' ये पंक्ति किसकी है?

(18) केशव की कोई एक कृति बताइए।

(19) रैदास के पद सिक्खों के किस धार्मिक ग्रंथ में संग्रहित हैं?

(20) 'नरसी जी का मायरा' किसकी कृति है?

(21) कबीर की भाषा को क्या कहा गया है?

(22) मैथिल कोकिल किनको कहा गया है?

(23) तुलसीदास की पत्नी का क्या नाम था?

(24) 'राधा विनोद' किसकी कृति है?

(25) 'राधा विनोद' का कौनसा अध्याय आपके पाठ्यक्रम में है?